M.A. 2nd Semester (CBCS) Examination-2025
HINDI
Course- HIN- 201
हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Full Marks – 40 **Time- 2 Hours**

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2×10= 20**

क) "भारतेन्दुयुगीन साहित्य जनचेतना व पुनर्जागरण की भावना से अनुप्राणित है।" उक्त कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

महावीर प्रसाद द्विवेदी के संपादनकाल में 'सरस्वती' पत्रिका ने हिंदी साहित्य की दिशा और दशा को किस प्रकार बदला है – विश्लेषण कीजिए।

ख) "प्रयोगवादी हिन्दी साहित्य ह्रासोन्मुखी मध्यमवर्गीय भारतीय समाज के जीवन का जीवन चित्रण है।" उक्त कथन की सारगर्भित विवेचना कीजिए।

अथवा

"हिंदी उपन्यास का विकास केवल साहित्यिक विधा का विकास नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, आधुनिकता और भारतीय अनुभव की अभिव्यक्ति का इतिहास है।" — इस कथन की उक्त कथन की सारगर्भित विवेचना कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **3×5=15**

क) छायावादी काव्य की दो प्रमुख प्रवृत्तियों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

ख) नयी कविता और साठोत्तरी कविता के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

ग) उपन्यास और कहानी को परिभाषित करते हुए उनके अंतर को स्पष्ट कीजिए।

घ) 'साठोत्तरी काव्य आन्दोलन' पर टिपण्णी लिखिए।

ङ) समकालीन आलोचना' से क्या अभिप्राय है ?

3. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **5×1= 5**

क) भारतेन्दु युग में किस विधा का सर्वाधिक विकास हुआ ?

ख) द्विवेदी युग की समय सीमा बताइए।

ग) प्रसिद्ध नाटक 'अंधा युग' के लेखक कौन हैं ?

घ) 'कविता के नए प्रतिमान' पुस्तक किसने लिखी है ?

ङ) प्रेमचन्द के अधूरे उपन्यास का नाम क्या है ?

M.A. 2nd Semester (CBCS) Examination-2025
HINDI
Course- HIN- 202
आधुनिक हिंदी कविता

Full Marks – 40 **Time- 2 Hours**

2×10= 20

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

क) स्पष्ट कीजिए कि 'राम की शक्ति-पूजा' की केन्द्रीय संवेदना 'शक्ति की मौलिक कल्पना' है।

अथवा

नागार्जुन की कविता संवेदना भावानुभूति और अभिव्यंजन की दृष्टि से उत्कृष्ट है ? सिद्ध कीजिए।

ख) कामायनी के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

महादेवी के साहित्य में अलौकिक प्रिय के प्रति विरह की अनुभूति पर प्रकाश डालिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **3×5=15**

क) निम्नलिखित पंक्तियों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए:

मुझ भाग्यहीन की तू संबल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दु:ख ही जीवन की कथा रही,
क्या कहूं आज ,जो नहीं कही!

ख) निम्नलिखित पंक्तियों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए:

कितनी दूरियों से कितनी बार
कितनी डगमग नावों में बैठ कर
मैं तुम्हारी ओर आया हूं
ओ मेरी छोटी-सी ज्योति!

ग) निम्नलिखित पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

खड़ी हो गई चाँपकर कंकालों की हूक
नभ में विपुल विराट-सी शासन की बंदूक
उस हिटलरी गुमान पर सभी रहें है थूक
जिसमें कानी हो गई शासन की बंदूक
बढ़ी बधिरता दस गुनी, बने विनोबा मूक
धन्य-धन्य वह, धन्य वह, शासन की बंदूक

घ) 'अंधेरे में' कविता, मुक्तिबोध की एक महत्वपूर्ण रचना है जो आज भी प्रासंगिक है। स्पष्ट कीजिए।

ङ) सुमित्रानंदन पंत की कविता परिवर्तन में नवीनता, प्रकृति और जीवन के सतत प्रवाह की अद्भुत समन्विति है- "प्रस्तुत कथन को स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **5×1= 5**

क) किस काव्य प्रवृत्ति में 'लघु मानव' के महत्व की प्रतिष्ठा हुई ?

ख) 'समाधिता' किसकी कृति है

ग) 'समकालीन बोध और धूमिल का काव्य' किसकी कृति है ?

घ) 'आराधना' किसकी काव्य कृति है ?

ङ) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का जन्म वर्ष लिखिए।

M.A. 2nd Semester (CBCS) Examination-2025
HINDI
Course- HIN- 203
हिंदी उपन्यास साहित्य

Full Marks – 40 **Time- 2 Hours**

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2×10= 20**

क) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' नारी-मुक्ति की आकांक्षा का प्रतिफलन है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'गोदान' में प्रेमचंद के यथार्थवादी दृष्टिकोण का कहाँ तक निर्वाह हुआ है। समीक्षा कीजिए।

ख) 'लालटीन की छत' उपन्यास में, लेखक ने आधुनिक मनुष्य के अकेलेपन, अलगाव और अस्तित्वगत संकट को प्रभावी ढंग से व्यक्त किया है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

मैला आँचल उपन्यास के सामाजिक एवं राजनीतिक परिदृश्य का वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **3×5=15**

क) रेणु की भाषागत विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

ख) बाणभट्ट की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

ग) "हमारा जन्म इसलिए हुआ है कि अपना रक्त बहाए और बड़ों का घर भरे"— इस पंक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

घ) "जात दो ही हैं एक गरीब और दूसरी अमीर" — इस पंक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

ङ) "स्त्री के दुःख इतने गंभीर होते हैं कि शब्द उसके दशमांश भी नहीं बन सकते"— इस पंक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **5×1= 5**

क) आचार्य शुक्ल ने हिंदी का पहला उपन्यास किसे माना है तथा इसके लेखक कौन हैं?

ख) 'स्त्रियाँ स्त्रियाँ नहीं है वे देवी हैं'- कथन किस उपन्यास का है ?

ग) निर्मल वर्मा ने अपने किस रचना में यूरोप यात्रा का वर्णन किया है ?

घ) 'साहित्य का मर्म' किसकी रचना है ?

ङ) बाणभट्ट की आत्मकथा के ऐतिहासिक और काल्पनिक पात्र का नाम लिखिए।

M.A. 2nd Semester (CBCS) Examination-2025
HINDI
Course- HIN- 204
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा संरचना

Full Marks – 40 **Time- 2 Hours**

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2×10= 20**

क) भाषा की परिभाषा स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख अभिलक्षणों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

ध्वनि विज्ञान की परिभाषा बतलाते हुए ध्वनि परिवर्तन की प्रमुख दिशाओं पर प्रकाश डालिए।

ख) रूप विज्ञान की परिभाषा स्पष्ट करते हुए रूप परिवर्तन की प्रमुख दिशाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भाषाविज्ञान की दो प्रमुख शाखाओं 'ऐतिहासिक भाषाविज्ञान' और 'तुलनात्मक भाषाविज्ञान' का विस्तृत वर्णन कीजिए ।

3×5=15

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

क) भाषा की परिवर्तनशीलता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

ख) स्वनिम के बारे में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

ग) पद और संबंध तत्व पर प्रकाश डालिए।

घ) उपवाक्य को परिभाषित कीजिए।

ङ) महाप्राण ध्वनियों की समस्याओं को स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **5×1= 5**

क) भाषा की लघुत्तम और महत्तम इकाई कौन-सी है ?

ख) उत्क्षिप्त व्यंजन का आशय स्पष्ट करते हुए एक उदाहरण दीजिए।

ग) अपभ्रंश के किन्हीं दो रूपों के नाम लिखिए।

घ) रूप विज्ञान का अंग्रेजी रूप लिखिए।

ङ) संज्ञा पदबंध का एक उदाहरण दीजिए ।

M.A. 2nd Semester (CBCS) Examination-2025
HINDI
Course- HIN- 205
हिंदी कथेतर साहित्य

Full Marks – 40 **Time- 2 Hours**

2×10= 20

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

क) आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा रचित निबंध 'काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था में अभिव्यक्त विचारों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित निबंध 'मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है' में अभिव्यक्त विचारों का विश्लेषण कीजिए।

ख) व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई के लेखन की विशिष्टताओं का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

'जीवनी' और 'आत्मकथा' को परिभाषित करते हुए उसके विधागत वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए।

3×5=15

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

क) निम्नलिखित गद्यांश का सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

"जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञानदशा कहलाती है, उसी प्रकार हृदय की यह मुक्तावस्था रसदशा कहलाती है। हृदय की इसी मुक्ति की साधना के लिए मनुष्य की वाणी जो शब्द-विधान करती आई है, उसे कविता कहते हैं। इस साधना को हम भावयोग कहते हैं और कर्मयोग और ज्ञानयोग का समकक्ष मानते हैं।"

ख) निम्नलिखित गद्यांश का सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

"मनुष्य की जीवनी शक्ति बड़ी निर्मम है, वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा मोहों को रौंदती चली आ रही है। न जाने कितने धर्माचारों, विश्वासों, उत्सवों और व्रतों को धोती बहाती यह जीवन धारा आगे बढ़ी है। संघर्षों से मनुष्य ने नई शक्ति पाई है। हमारे सामने समाज का आज जो रूप है, वह न जाने कितने ग्रहण और त्याग का रूप है। देश और जाति की विशुद्ध संस्कृति केवल बाद की बात है। सबकुछ में मिलावट है, सबकुछ अविशुद्ध है। शुद्ध है केवल मनुष्य की दुर्दम जिजीविषा (जीने की इच्छा) वह गंगा की अबाधित अनाहत धारा के समान सब कुछ को हजम करने के बाद भी पवित्र है।"

ग) निम्नलिखित गद्यांश का सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

" 'मोरे राम के भीजै मुकुटवा' और अमचूर की तरह विश्वविद्यालयीय जीवन की नीरसता में सूखा मन कुछ ज़रूर ऊपरी सतह पर ही सही भीगता नहीं, तो कुछ नम तो हो ही जाता है, और महीनों की उमड़ी-घुमड़ी उदासी बरसने-बरसने को आ जाती है। बरस न पाए, यह अलग बात है (कुछ भीतर भाव हो, तब न बरसे), पर बरसने का यह भाव जिस ओर से आ रहा है, उधर राह होनी चाहिए। इतनी असंख्य कौसल्याओं के कंठ में बसी हुई जो एक अरूप ध्वनिमयी कौसल्या है, अपनी सृष्टि के संकट में उसके सतत उत्कर्ष के लिए आकुल, उस कौसल्या की ओर, उस मानवीय संवेदना की ओर ही कहीं राह है, घास के नीचे दबी हुई।"

घ) निम्नलिखित गद्यांश का सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

"नाटक की समस्त परम्परागत मान-मर्यादाओं को तोड़कर उसे—बीसवीं सदी के विशिष्ट प्रतीक के रूप में—सर्वथा नया मोड़ देनेवाला यह जर्मन लेखक एक फ़ासिस्ट-विरोधी, कम्युनिस्ट भी हो सकता है, पश्चिम के आलोचकों के लिए यह हमेशा एक विवादास्पद बना रहा है।आश्चर्य नहीं कि अभी तक समाजवादी देशों में भी उनके क्रांतिकारी प्रयोगों का ठीक से मूल्यांकन नहीं हो पाया। पश्चिम के साहित्यकार ब्रेख्त के महान् कृतित्व को स्वीकार करते हैं—उनके कम्युनिस्ट व्यक्तित्व को नहीं। पूर्वी देशों के आलोचक उनके कम्युनिस्ट व्यक्तित्व की सराहना करते हैं, किन्तु उनके कृतित्व के सम्बन्ध में, शायद, पूरी तरह से आश्वस्त नहीं।"

ङ) 'दो छोटी इच्छाएँ' व्यंग्य निबंध के व्यंग्यबोध को स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **5×1= 5**

क) 'चिंतामणि दो' में संग्रहीत किसी एक निबंध का नाम लिखिए।

ख) 'साहित्य-सहचर' निबंध संग्रह का प्रकाशन वर्ष लिखिए।

ग) 'कला और जोखिम' निबंध संग्रह के लेखक का नाम लिखिए।

घ) 'छितवन की छांह' निबंध संग्रह के लेखक का पूरा नाम लिखिए।

ङ) हरिशंकर परसाई को किस कृति के लिए 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार प्रदान किया गया ?